[redacted]

YASHWANT CLASSES Estd.1995

Subject: [redacted]

Time: 3 Hours **MARCH – 2023** **[Max. Marks: 80]**

सूचनाएँ:

(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[8]**

सबसे पहले हम अंजुना बीच पहुँचे। गोवा में छोटे-बड़े करीब 40 बीच हैं लेकिन प्रमुख सात या आठ ही हैं। अंजुना बीच नीले पानीवाला, पथरीला बहुत ही खूबसूरत है। इसके एक ओर लंबी-सी पहाड़ी है, जहाँ से बीच का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। समुद्र तक जाने के लिए थोड़ा नीचे उतरना पड़ता है। नीला पानी काले पत्थरों पर पछाड़ खाता रहता है। पानी ने काट-काटकर इन पत्थरों में कई छेद कर दिए हैं जिससे ये पत्थर कमज़ोर भी हो गए हैं। साथ ही समुद्र के काफ़ी पीछे हट जाने से कई पत्थरों के बीच में पानी भर गया है। इससे वहाँ काई ने अपना घर बना लिया है। फिसलने का डर हमेशा लगा रहता है लेकिन संघर्षों में ही जीवन है, इसलिए यहाँ घूमने का भी अपना अलग आनंद है। यहाँ युवाओं का दल तो अपनी मस्ती में डूबा रहता है, लेकिन परिवार के साथ आए पर्यटकों का ध्यान अपने बच्चों को खतरों से सावधान रहने के दिशानिर्देश देने में ही लगा रहता है। मैंने देखा कि समुद्र किनारा होते हुए भी बेनालिया बीच तथा अंजुना बीच का अपना-अपना सौंदर्य है। बेनालियम बीच रेतीला तथा उथला है। यह मछुआरों की पहली पसंद है।

(1) विशेषताएँ लिखिए। (2)

(i) अंजुना बीच 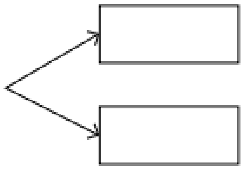

(ii) बेनालियम बीच 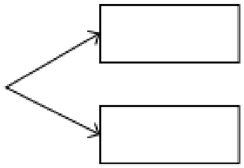

(2) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए। (2)

(i) गोवा के छोटे-बड़े बीच की संख्या ________

(ii) काई ने यहाँ घर बना लिया था ________

(iii) अपने बच्चों को खतरों से सावधान कराने वाले ________

(iv) बेनालियम बीच इनकी पहली पसंद है ________

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए। (1)

(1) बदसूरत × ________

(2) नापसंद × ________

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(1) कमज़ोर - ________

(2) आनंद - ________

(4) अपने द्वारा किए हुए पर्यटन का एक अनुभव **25** से **30** शब्दों में लिखिए। (2)

www.yashwantclasses.in

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [8]

आम तौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ख्याल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र हैं। संपत्ति तो वे ही चीज़ें हो सकती हैं जो किसी-न-किसी रूप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी हैं जिनके बिना मनुष्य ज़िंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती हैं। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं, जिनके बिना उसकी गुज़र-बसर नहीं हो सकती। इनके अलावा दूसरी अनेक चीज़ें हैं जिनके बिना मनुष्य रह सकता है।

प्रश्न उठता है कि संपत्तिरूपी ये सब चीज़ें बनती कैसे हैं? सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह काम की चीज़ें बनती हैं। अतः संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं: सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कृछ चीज़ें बनती दिखती हैं पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज़ नहीं बन सकती अर्थात बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

(1) आकृति में दिए गए शब्दों का सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए। (2)

रुपया, सृष्टि के द्रव्य, वस्त्र, मनुष्य का शरीर श्रम, अन्न, मकान

संपत्ति के मुख्य साधन	मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ
(1) ________	(1) ________
(2) ________	(2) ________

(2) उत्तर लिखिए। (2)

गद्यांश में उल्लेखित ख्याल	ख्याल गलत होने का कारण

(3) सूचनाओं के अनुसार कृति पूर्ण कीजिए। (1)

(i) गद्यांश में प्रयुक्त शब्दयुग्म लिखिए।

(1) ____________________

(2) ____________________

(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए।

चीज़ें बनती दिखती हैं। (1)

(4) 'शारीरिक श्रम का महत्त्व' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

मधुरता सत्य का अनुपान है और मितता उसका पथ्य है। जिसे हम सम्यक वाणी कहते हैं, वह सत्य, मित और मधुर होती है वही परिणामकारक भी होती है। समाज का हित किस बात में है, यह समझना कभी कठिन हो सकता है। परंतु सम्यक वाणी से ही वह सधेगा, यह किसी भी आदमी के लिए समझना कठिन नहीं होना चाहिए।

परंतु यही आज भारी हो रहा है। समाजहित के नाम पर कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित हो गई है, अर्थात मन ही दूषित हो गया है। फिर कृति कैसे भूषित हो सकती है?

आज लेखन व भाषण के साधन सुलभतम हो गए हैं। परंतु शायद इसी कारण सभ्य वाणी दुर्लभ हो गई है। सभ्य वाणी को खोकर सुलभ साधनों की प्राप्ति करना यानी कवि की भाषा में नेत्र बेचकर चित्र खरीदने जैसा है।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। (2)

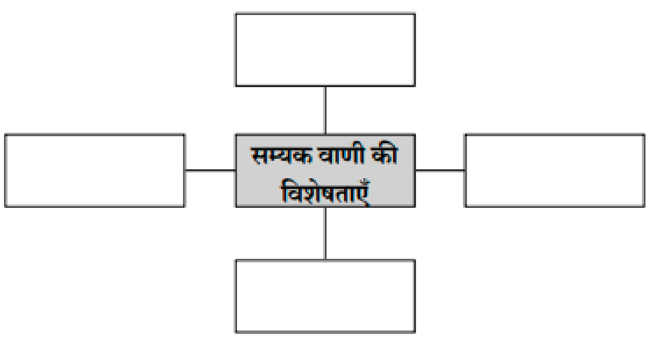

(2) 'वाणी: मनुष्य को प्राप्त वरदान' इस विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [6]

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।
चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक-सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप-छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्वान उसका आज कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

(1) आकृति में लिखिए। (2)

(i) **कविता में प्रयुक्त ऋतुओं के नाम**

(ii) **कवि कृषक के लिए ये करना चाहता है।**

(2) (i) उपर्युक्त पद्यांश से 'ता' प्रत्यययुक्त दो शब्द ढूँढ़कर लिखिए। (1)

(1) ____________

(2) ____________

(ii) पद्यांश में आए दो संस्कृत शब्द ढूँढ़कर लिखिए। (1)

(1) ____________

(2) ____________

(3) उपर्युक्त पद्यांश की **प्रथम चार** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। (2)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [6]

www.yashwantclasses.in

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई। बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई।।
नव पल्लव भए बिटप अनेका। साधक मन जस मिले बिबेका।।

अर्क-जवास पात बिनु भयउ। जस सुराज खल उद्यम गयऊ।।
खोजत कतहुं मिलइ नहिं धूरी। करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी।।

ससि संपन्न सोह महि कैसी। उपकारी कै संपति जैसी।।
निसि तम घन खद्योत बिराजा। जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा।।

कृषी निरावहिं चतुर किसाना। जिमि बुध तजहिं मोह-मद-माना।।
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं। कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं।।

विविध जंतु संकुल महि भ्राजा। प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा।।
जहँ-तहँ रहे पथिक थकि नाना। जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना।।

(1) परिणाम लिखिए। (2)

(i) कलियुग आने से ____________

(ii) सुराज होने से ____________

(iii) बरसात के आने से ____________

(iv) क्रोध के आने से ____________

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए। (2)

(i) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता।

(1) ____________

(2) ____________

(ii) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हों।

(1) मेंढक = ____________

(2) वृक्ष = ____________

(3) उपर्युक्त पद्यांश की **प्रथम चार** पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। (2)

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

रूपा उस समय कार्य भार से उद्विग्न हो रही थी। कभी इस कोठे में जाती, कभी उस कोठे में, कभी कड़ाह के पास आती, कभी भंडार में जाती। किसी ने बाहर से आकर कहा– 'महाराज ठंडाई माँग रहे हैं' ठंडाई देने लगी। आदमी ने आकर पूछा–'अभी भोजन तैयार होने में कितना विलंब है? ज़रा ढोल–मंजीरा दो।' बेचारी अकेली स्त्री दौड़ते–दौड़ते व्याकुल हो रही थी, झुँझलाती थी, कुढ़ती थी, परंतु क्रोध प्रकट करने का अवसर न पाती थी। भय होता, कहीं पडोसिनें यह न कहने लगें कि इतने में उबल पड़ीं। प्यास से स्वयं कंठ सूख रहा था। गरमी के मारे फुँकी जाती थी परंतु इतना अवकाश भी नहीं था कि ज़रा पानी पी ले अथवा पंखा लेकर झले। यह भी खटका था कि ज़रा आँख हटी और चीज़ों की लूट मची।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[4]**

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसीं आँखें।

चलतीं साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन।

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। (2)

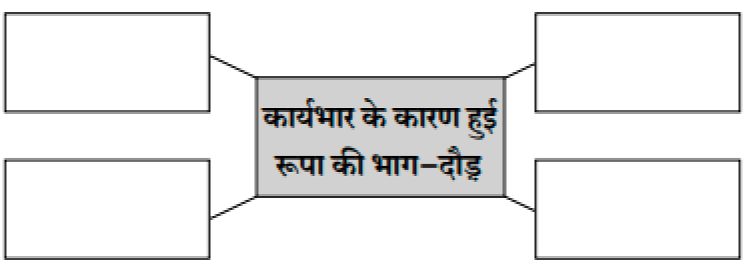

(2) 'कर्तव्यनिष्ठा और कार्यपूर्ति' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

www.yashwantclasses.in

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[4]**

> मन की पीड़ा
> छाई बन बादल
> बरसीं आँखें।
>
> चलतीं साथ
> पटरियाँ रेल की
> फिर भी मौन।
>
> सितारे छिपे
> बादलों की ओट में
> सूना आकाश।

(1) उत्तर लिखिए। (2)

(1) उत्तर लिखिए। (2)

(i) मौन बनी – ____________

(ii) छिपे हुए – ____________

(iii) बरसीं हुईं – ____________

(iv) सूना – ____________

(2) 'मन के जीते जीत है' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[14]**

(1) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए। (1)

<u>गोवा</u> देख मैं तरंगायित हो उठा।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से **किसी एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(i) और (ii) बहुत

(3) कृति पूर्ण कीजिए। (1)

शब्द	संधि–विच्छेद	संधि भेद
____________	सम् + तोष	____________
अथवा		
संदैव	______ + ______	____________

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से **किसी एक** वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। (1)

(i) इधर बच्चे रेत का घर बनाने लगे।

(ii) फिर भी धूप तीखी ही होती जाती।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
____________	____________

(5) निम्नलिखित क्रियाओं में से **किसी एक** क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। (1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) खाना	____________	____________
(ii) धुलना	____________	____________

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से **किसी एक** मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i) शेखी बघारना	____________	____________
(ii) निजात पाना	____________	____________

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)

(दाद देना, काँप उठना)

गीता के गाने की सभी श्रोताओं ने प्रशंसा की।

(7) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से **कोई एक** कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। (1)

(i) कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?

(ii) आवाज़ ने मेरा ध्यान बँटाया।

कारक चिह्न	कारक भेद
___________	___________

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम–चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)

उन्होंने पूछा यह कौन–सा महीना चल रहा है

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं दो** वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (2)

(i) बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

(ii) वे बाज़ार से नई पुस्तक खरीदते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

(iii) आप इतनी देर से नाप–तौल करते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए। (1)

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से **किसी एक** वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए। (1)

(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)

(2) थोड़ी देर बातें हुईं। (निषेधार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं दो** वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए। (2)

(i) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।

(ii) लडका, पिता जी और माँ बाजार को गई।

(iii) मैं मेरे देश को प्रेम करता हूँ।

सूचना: आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र.5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए। **[26]**

(अ) (1) पत्रलेखन। (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए।

सुनिल/समिक्षा जोशी, विवेकानंद छात्रावास, जालना से अपने छोटे भाई सुमित जोशी, 6/36 जोशी मार्ग, इंदौर, मध्य प्रदेश को ''योग का महत्त्व'' समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

मोहन/महिमा पालेकर, यशवंतराव चव्हाण नगर, अकोट से व्यवस्थापक, संजीवनी औषधालय, लक्ष्मी रोड, नागपुर को पत्र लिखकर आयुर्वेदिक औषधियों की माँग करता/करती है।

(2) गद्‌य आकलन – प्रश्न निर्मिति। (4)

निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर **ऐसे चार** प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्‌यांश में एक-एक वाक्य में हों।

बसंत के आगमन के साथ ही कभी-कभी ऐसा लगता है, मानो जंगल में लाल रंग की लपटें उठ रही हों, ये लपटें आग की नहीं बल्कि पलाश के नारंगीपन लिए लाल फूलों की होती हैं। पलाश के लाल-लाल फूल आग की लपटों के समान ही दिखाई देते हैं। इसीलिए इसे 'फ़्लेम ऑफ़ द फ़ायर' कहा जाता है।

पलाश भारतीय मूल का एक प्राचीन वृक्ष है। इसे आदिदेव ब्रह्मा और चंद्रदेव से संबंधित अलौकिक वृक्ष माना जाता है। इसमें एक की स्थान पर तीन पत्ते होते हैं। इस पर कहावत प्रचलित है-'ढाक के तीन पात'। इसकी लकड़ी का हवन में उपयोग किया जाता है। इसीलिए इसे याज्ञिक भी कहते हैं। यज्ञ में काम आने वाले पात्र भी पलाश की लकड़ी से बनाए जाते हैं।

(आ) (1) वृत्तांत-लेखन। (5)

युनियन हायस्कूल मुंबई में मनाए गए 'वृक्षारोपण समारोह' का **60** से **80** शब्दों में वृत्तांत-लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है)

अथवा

कहानी–लेखन।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर **70** से **80** शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए।

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर–दूर से पानी लाना – सभी परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से केवल एक आदमी का काम में जुटना – धीरे–धीरे एक–एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – तालाब की खुदाई – बरसात के दिनों जमकर बारिश – तालाब का भरना – सीख।

(2) विज्ञापन–लेखन। (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर **50** से **60** शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

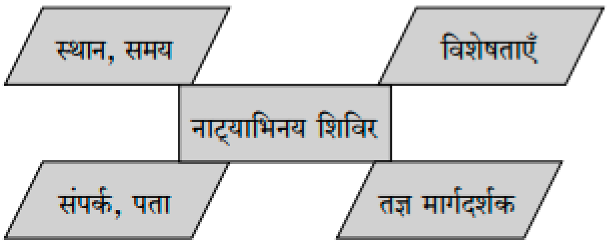

(इ) निबंध–लेखन। (7)

निम्नलिखित विषयों में से **किसी एक** विषय पर **80** से **100** शब्दों में निबंध लिखिए।

(1) एक किसान की आत्मकथा

(2) मेरा प्रिय खेल

(3) पुस्तक प्रदर्शनी में एक घंटा

★★★

[redacted]

YASHWANT CLASSES Estd.1995

Subject: [redacted]

Time: 3 Hours **MARCH – 2023** **[Max. Marks: 80]**

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[8]**

(1) विशेषताएँ लिखिए। **(2)**

(i) अंजुना बीच → नीले पानीवाला, पथरीला

(ii) बेनालियम बीच → रेतीला, उथला

(2) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए। **(2)**

(i) गोवा के छोटे–बड़े बीच की संख्या– 40

(ii) काई ने यहाँ घर बना लिया था– पत्थरों के बीच

(iii) अपने बच्चों को खतरों से सावधान कराने वाले– परिवार के साथ आए पर्यटक

(iv) बेनालियम बीच इनकी पहली पसंद है– मछुआरों की

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए। **(1)**

(1) **बदसूरत** × खूबसूरत (2) **नापसंद** × पसंद

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए। **(1)**

(1) **कमज़ोर** – दुबला, दुर्बल (2) **आनंद** – हर्ष

(4) अपने द्‌वारा किए हुए पर्यटन का एक अनुभव 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **(2)**

उत्तर: हम दस लोग जम्मू पर्यटन पर गए। वहाँ का मौसम ठंडा था, वहाँ पूरा पहाड़ी इलाका था। जम्मू पहुँचने पर जम्मू से कटार की ओर एक बस में यात्रा की। बस जिस रोड/मार्ग से चल रही थी, उसकी दोनों तरफ़ बड़ी खाई थी। रास्ता घुमावदार टेढ़ा–मेढ़ा था, लेकिन हम उसका आनंद ले रहे थे। पूरा मार्ग प्राकृतिक सौंदर्य से भरा था, उनसे हमारी नज़रें हट नहीं रही थीं। वहाँ से जब हमने चारों तरफ़ देखा, तो बर्फ़ और कोहरा था। जम्मू के फूलों के बाग और वहाँ के लोगों का जीवन, संस्कृति सभी ने हमारा ध्यान आकर्षित किया।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [8]

(1) आकृति में दिए गए शब्दों का सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए। (2)

रुपया, सृष्टि के द्रव्य, वस्त्र, मनुष्य का शरीर श्रम, अन्न, मकान	संपत्ति के मुख्य साधन	मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ
	(1) सृष्टि के द्रव्य	(1) वस्त्र
	(2) मनुष्य का शरीर श्रम	(2) अन्न

(2) उत्तर लिखिए। (2)

गद्यांश में उल्लेखित ख्याल	ख्याल गलत होने का कारण
रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है।	ये सब संपत्ति के माप-तौल के साधन हैं।

(3) सूचनाओं के अनुसार कृति पूर्ण कीजिए। (2)

(i) गद्यांश में प्रयुक्त शब्दयुग्म लिखिए।

उत्तर: (1) सुख-सुविधा (2) गुज़र-बसर

(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए।

चीज़ें बनती दिखती हैं। (1)

उत्तर: चीज़ बनती दिखती है।

(4) 'शारीरिक श्रम का महत्त्व' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

उत्तर: श्रम का अर्थ है मेहनत, तन-मन से किसी कार्य को पूरा करने के लिए प्रयत्नशील होना। जो भी व्यक्ति मेहनत को महत्त्व देकर आगे बढ़ता है व हमेशा/निरंतर आगे बढ़ता जाता है, भले ही उस समय उसे सफलता न मिले मगर आगे ज़रूर मिलती है। मानव जीवन की उन्नति का मुख्य साधन, मार्ग है परिश्रम। जो जितना अधिक मेहनत करता है उसे उतनी सफलता मिलती है। शारीरिक श्रम से तन स्वस्थ और मन खुश रहता है।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। (2)

उत्तर:

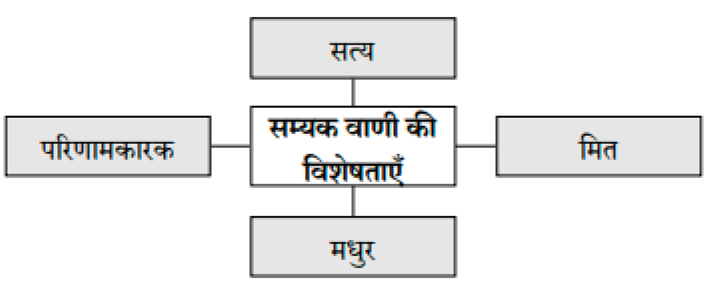

(2) 'वाणी: मनुष्य को प्राप्त वरदान' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

उत्तर: वाणी मनुष्य को प्राप्त एक वरदान है जिसकी वजह से अपने विचारों का आदान-प्रदान कर मनुष्य ने उन्नति साध ली है। वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती है। समाज में मनुष्य की सफलता के लिए रास्ता साफ़ कर देती है। मधुर वाणी दो रूठों को मना लेती है, मन से घृणा, क्रोध नष्ट कर हमारे अंतःकरण को भी प्रसन्न कर देती है। और कटु बोल मनुष्य को या दो मित्रों को अलग कर देते हैं। इसलिए वाणी का इस्तेमाल सोच-समझकर करें।

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[6]**

(1) आकृति में लिखिए। **(2)**

(i)

कविता में प्रयुक्त ऋतुओं के नाम

- मधुमास
- पतझर

(ii)

कवि कृषक के लिए ये करना चाहता है।

- आह्वान करना चाहते हैं।
- गीत गाना चाहते हैं।

---

(2) (i) उपर्युक्त पद्यांश से 'ता' प्रत्यययुक्त दो शब्द ढूँढ़कर लिखिए। **(1)**

उत्तर: (1) दीनता (2) मनुजता

(ii) पद्यांश में आए दो संस्कृत शब्द ढूँढ़कर लिखिए। **(1)**

उत्तर: (1) गान (2) सृजक

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **(2)**

उत्तर: कवि किसान की दुर्दशा का वर्णन करते हैं। गरीबी में स्वाभिमान की ज़िंदगी जीनेवाले किसान का सम्मान करते हुए उन्होंने किसान पर गीत लिखा है। दुनियावालों के जीवन में वसंत की बहार लानेवाले किसान उपेक्षित ज़िंदगी जी रहे हैं। उनका जीवन पतझड़ की ऋतु के समान नीरस है। फिर भी औरों को सुख देने में ही कृषक को संतोष मिला है। ऐसे कृषक पर कवि को नाज़ है।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[6]**

(1) परिणाम लिखिए। **(2)**

(i) कलियुग आने से धर्म भाग जाता है।

(ii) सुराज होने से दुष्टों का उद्यम जाता है।

(iii) बरसात के आने से धूल कहीं खोजने पर भी नहीं मिलती।

(iv) क्रोध के आने से धर्म दूर हो जाता है।

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए। **(2)**

(i) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता।

उत्तर: (1) धन (2) धर्म

(ii) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हों।

उत्तर: (1) मेंढक = दादुर **(2) वृक्ष =** विटप/बिटप

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। **(2)**

उत्तर: गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि चारों दिशाओं में मेंढकों की ध्वनि ऐसी सुहावनी लगती है, मानो विद्यार्थियों का समूह वेदों का पठन कर रहा है। अनेकों वृक्षों में नए पत्ते आ गए हैं जिससे वे हरे-भरे एवं सुशोभित हो गए हैं जैसे साधक का मन विवेक (ज्ञान) प्राप्त होने पर हो जाता है। अर्क-जवास बिना पत्तों के हो गए हैं (अर्थात पत्ते झड़ गए) जैसे श्रेष्ठ राज्य में दुष्टों का उद्यम जाता रहा। वर्षा के कारण धूल कहीं खोजने पर भी नहीं मिलती जैसे क्रोध धर्म दूर कर देता है। अर्थात क्रोध में मनुष्य अज्ञानी बन जाता है, वह धर्म भूल जाता है।

प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[4]**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। **(2)**

उत्तर:

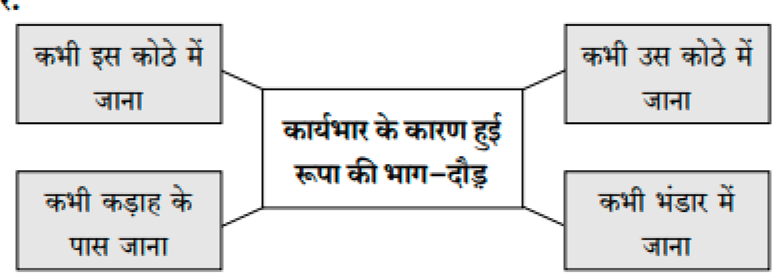

(2) 'कर्तव्यनिष्ठा और कार्यपूर्ति' विषय पर <u>25 से 30</u> शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

उत्तर: कर्तव्यनिष्ठा का अर्थ अपने कर्तव्य को ईमानदारी से निभाना और कार्यपूर्ति का अर्थ है सौंपे हुए कार्य को सही ढंग से पूर्ण करना। इन दोनों के करने के बाद व्यक्ति को अनोखी खुशी मिलती है। व्यक्ति के उसके परिवार, समाज एवं राष्ट्र के प्रति अलग-अलग कर्तव्य होते हैं, उन्हें अच्छी तरह फ़र्ज़ समझकर पूरा करना हर व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है। जो यह ज़िम्मेदारी अच्छी तरह निभाता है वह निष्ठावान व्यक्ति कहलाता है। विद्यार्थी जीवन का कर्तव्य शिक्षा लेना, समाज में जागरुकता लाना, शारीरिक, बौद्धिक विकास करना है।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

(1) उत्तर लिखिए। (2)

(i) **मौन बनी** – रेल की पटरियाँ

(ii) **छिपे हुए** – सितारे

(iii) **बरसीं हुईं** – आँखें

(iv) **सूना** – आकाश

(2) 'मन के जीते जीत है' विषय पर <u>25 से 30</u> शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

उत्तर: संस्कृत में कहावत है 'मन एवं मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः' अर्थात मन ही मनुष्य के बंधन मोक्ष का कारण है। तात्पर्य यह है कि मन ही मनुष्य को सांसारिक बंधनों में बाँधता है। मन ही उससे छुटकारा दिलाता है। यदि मनुष्य चाहे तो मन की शक्ति के आधार पर बड़ी से बड़ी लड़ाई जीत सकता है चाहे परिस्थितियाँ कितनी ही विपरीत क्यों न हो। जिसने मन को जीता मानो उसने सारा जग जीत लिया। इसलिए कहा है न मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [14]

(1) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए। (1)

<u>गोवा</u> देख मैं तरंगायित हो उठा।

उत्तर: गोवा – संज्ञा (विकारी शब्द)

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से <u>किसी एक</u> अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(i) **और** – राम और श्याम मित्र हैं।

(ii) **बहुत** – माँ ने बहुत खाना पकाया था।

(3) कृति पूर्ण कीजिए। (1)

शब्द	**संधि-विच्छेद**	**संधि भेद**
संतोष	**सम्+तोष**	व्यंजन संधि
	अथवा	
सदैव	सदा+एव	स्वर संधि

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। (1)

(i) इधर बच्चे रेत का घर बनाने लगे।

(ii) फिर भी धूप तीखी ही होती जाती।

उत्तर:

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
लगे	लगना
जाती	जाना

(5) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का प्रथम एवं द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। (1)

	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i)	खाना	खिलाना	खिलवाना
(ii)	धुलना	धुलाना	धुलवाना

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

	मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i)	शेखी बघारना	स्वयं अपनी प्रशंसा करना	मेरे भाई को शेखी बघारने की आदत है।
(ii)	निजात पाना	मुक्ति पाना	वैद्य की दवाई के कारण मेरी माँ ने पुराने दर्द से निजात पाई।

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए। **(1)**

(दाद देना, काँप उठना)

गीता के गाने की सभी श्रोताओं ने प्रशंसा की।

उत्तर: गीता के गाने की सभी श्रोताओं ने दाद दी।

(7) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। **(1)**

(i) कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?

(ii) आवाज़ ने मेरा ध्यान बँटाया।

उत्तर:

कारक चिह्न	कारक भेद
की	संबंध कारक
ने	कर्ता कारक

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम–चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। **(1)**

उन्होंने पूछा यह कौन–सा महीना चल रहा है

उत्तर: उन्होंने पूछा – ''यह कौन–सा महीना चल रहा है?''

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। **(2)**

(i) बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

उत्तर: बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चला रहे थे।

(ii) वे बाज़ार से नई पुस्तक खरीदते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

उत्तर: वे बाज़ार से नई पुस्तक खरीदेंगी/खरीदेंगे।

(iii) आप इतनी देर से नाप–तौल करते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

उत्तर: आपने इतनी देर से नाप–तौल की है।

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए। **(1)**

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा।

उत्तर: सरल वाक्य

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए। **(1)**

(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)

उत्तर: तुम अपना ख्याल रखो।

(2) थोड़ी देर बातें हुईं। (निषेधार्थक वाक्य)

उत्तर: थोड़ी देर बातें नहीं हुईं।/बहुत देर बातें नहीं हुईं।

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए। **(2)**

(i) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।

उत्तर: बरसों बाद पंडित जी को मित्र के दर्शन हुए।

(ii) लडका, पिता जी और माँ बाजार को गई।

उत्तर: लड़का पिता जी और माँ बाज़ार गए।

(iii) मैं मेरे देश को प्रेम करता हूँ।

उत्तर: मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ।

सूचना: आवश्यक्तानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

प्र.5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए। [26]

(अ) (1) पत्रलेखन। (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए।

उत्तर:

दिनांक: 19 फ़रवरी, 2023
प्रिय भाई सुमित,
मधुर यादें।

कल ही मुझे माँ का पत्र मिला। उसने लिखा है कि तुम दिन-रात पढ़ाई करते हो, कसरत-योग यह कुछ भी नहीं करते। मैं तुम्हें इस पत्र द्वारा 'योग का महत्त्व' बताना चाहती हूँ।

योग हमारे जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। जैसे जीने के लिए रोटी, कपड़ा और मकान ज़रूरी है उसी प्रकार स्वस्थ शरीर के लिए योग भी महत्त्वपूर्ण है। योग से हम अपने शरीर को तंदुरुस्त बना सकते हैं। इससे हमारा शरीर लचीला और उत्साही बन जाता है। बीमारियाँ दूर रहती हैं। हम खुश ओर आनंदित रहकर जीने का मज़ा ले सकते हैं। निरंतर कामयाबी की तरफ़ बढ़ सकते हैं।

अब तुम्हें योग का महत्त्व समझ में आया होगा। मैं चाहती हूँ कि तुम भी नियमित रूप से योग किया करो ताकि एक स्वस्थ और मज़बूत शरीर बने। पत्र का जवाब लिखना।

माता-पिता को मेरा सादर प्रणाम। तुम्हें बहुत सारा प्यार।

तुम्हारी दीदी,
समिक्षा जोशी,
विवेकानंद छात्रावास,
जालना - 431203 ।
samiksha@gmail.com

अथवा

दिनांक: 23 फ़रवरी, 2023
प्रति,
मा. व्यवस्थापक,
संजीवनी औषधालय,
लक्ष्मी रोड,
नागपुर - 440001 ।

विषय: आयुर्वेदिक औषधियों की माँग करते हुए अनुरोध।

माननीय महोदय,

कुछ महीनों पहले मैंने आपके औषधालय से आयुर्वेदिक औषधियाँ मँगाई थीं। उनसे काफ़ी लाभ हुआ है। अतः निम्नलिखित औषधियाँ उपरोक्त पते पर वी०पी०पी० द्वारा भेजने की कृपा करें। साथ ही कुछ उचित छूट भी दें।

क्र.	औषधियों के नाम	मात्रा
1	शंखवटी	500 ग्राम
2	शतावरी	500 ग्राम
3	द्राक्षासव	500 ग्राम
4	पतंजली च्यवनप्राश	500 ग्राम

आशा है कि यह औषधियाँ शीघ्र भेजने की कोशिश करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय,
मोहन पालेकर,
यशवंतराव चव्हाण नगर,
अकोट – 444101 ।
mohan@gmail.com

(2) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति।

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक–एक वाक्य में हों। (4)

प्रश्न:

(i) पलाश के फूलों के कौन–कौन से रंग होते हैं?

(ii) 'फ़्लेम ऑफ़ द फ़ायर' किस फूल को कहा जाता है?

(iii) पलाश किस प्रजाती का वृक्ष है?

(iv) पलाश के वृक्ष को किससे संबंधित अलौकिक वृक्ष माना जाता है?

(v) पलाश के पत्तों के ऊपर से कौनसी कहावत प्रचलित है?

(आ) (1) वृत्तांत–लेखन। (5)

युनियन हायस्कूल मुंबई में मनाए गए 'वृक्षारोपण समारोह' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत–लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है)

उत्तर: **वृक्षारोपण समारोह**

(विद्यालय–प्रतिनिधि द्वारा)

मुंबई, 17 जुलाई, 2022: कल 16 जुलाई, 2022 को युनियन हायस्कूल मुंबई के विद्यालय के परिसर में वृक्षारोपण समारोह अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा निदेशक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्हें पुष्पगुच्छ एवं एक पौधा देकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात छात्र–छात्राओं ने एक स्वर में, 'नंगी धरती करे पुकार, वृक्ष लगाकर करो शृंगार' गीत का समूहगान प्रस्तुत किया। अतिथि महोदय ने अपने भाषण में वृक्षों की उपयोगिता, महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वयं एक पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। फिर प्रधानाचार्य, उपप्रधानाचार्य तथा अध्यापकों ने वृक्षारोपण किया। छात्रों ने वृक्षारोपण कर उनके संवर्धन की प्रतिज्ञा ली। पौधों के चारों ओर जाली लगाकर उनकी सिंचाई का प्रबंध किया गया ताकि पौधे फले–फूलें और वृक्ष बन सकें। अंत में राष्ट्रगीत के साथ वृक्षारोपण समारोह का समापन किया गया।

अथवा

कहानी–लेखन।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए।

उत्तर: **श्रमदान का महत्त्व**

जैतापुर नामक एक गाँव था। वहाँ के लोग मेहनती और शांतिपूर्ण थे। उस गाँव में सब कुछ मिलता था, लेकिन उस गाँव में पीने के पानी की समस्या थी। वहाँ पर तालाब, कुएँ में पानी बहुत कम रहता था या सूखा होता था। लोग गाँव से दूर जाकर पानी लाते थे। औरतें दूर–दूर से पानी लाकर परेशान हो रही थीं। सभी गाँववाले इस समस्या से परेशान थे।

एक दिन गाँव के मुखिया ने सभा का आयोजन किया। विचार–विनिमय करके, श्रमदान करके तालाब बनाने का निर्णय किया। दूसरे दिन श्रमदान करने केवल एक आदमी काम में जुट गया, उसे देखकर धीरे–धीरे एक–एक करके सभी गाँववाले वहाँ आ गए। सब गाँव के लोगों ने श्रमदान शुरू किया और एक नए तालाब की खुदाई होने लगी। कुछ ही दिनों में एक तालाब बन गया। फिर बरसात शुरू हुई। बरसात के दिनों में बारिश होने से तालाब पूरा भर गया।

अब गाँव में पानी की समस्या न रही। सभी लोगों को तालाब से ही पानी मिलने लगा। लोग खुशहाल और आनंदित हो गए। इस प्रकार लोगों ने पानी की समस्या का हल ढूँढ़ लिया।

सीख: हम सभी को एक होकर एकता से काम करना चाहिए।

(2) विज्ञापन–लेखन। (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर:

खुशखबरी!　　खुशखबरी!!　　खुशखबरी!!!

शहर में पहली बार...

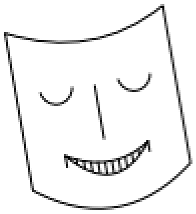

‘नाट्याभिनय’

शिबिर

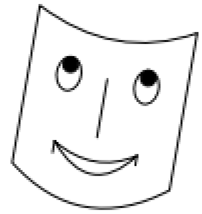

–:विशेषताएँ:–

सभी उम्र के बच्चों, युवकों के लिए।

अभिनय क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकार, दिग्दर्शकों का मार्गदर्शन

✲

स्थान– आदर्श विद्यालय, अंधेरी (प०), मुंबई – 400058 ।

समय– सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक

संपर्क– 8899999999

(इ)　निबंध–लेखन।　　**(7)**

निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर <u>80 से 100</u> शब्दों में निबंध लिखिए।

(1)　एक किसान की आत्मकथा

(2)　मेरा प्रिय खेल

(3)　पुस्तक प्रदर्शनी में एक घंटा

उत्तर:

(1) एक किसान की आत्मकथा

आइए, बाबू जी, बैठिए, थोड़ा ठंडा पानी पी लीजिए। मैं आपको अपने बारे में कुछ बताना चाहता हूँ। मैं हूँ एक किसान। लोग मुझे ‘अन्नदाता’ कहते हैं। मैं गाँव में साधारण झोपड़ी में रहता हूँ। मैं आज भी अपनी संस्कृति को नहीं भूला हूँ। मैं अतिथि को देवता मानता हूँ।

गाँव में मेरा छोटा–सा परिवार है, हम सब हमेशा खेती के कार्य में जुटे रहते हैं। मैं सुबह हल लेकर खेत पर चला जाता हूँ। मैं सरदी, गरमी, बारिश की परवाह नहीं करता, मैं खेत पर अनेक प्रकार के काम करता हूँ। खुदाई, जुताई, बुआई, सिंचाई का काम भी मुझे ही करना पड़ता है। दोपहर में मैं खाना खाकर बैलों को भी घास खिलाता हूँ।

श्रम ही मेरा जीवन है। मेरा काम कभी रुकता नहीं। मुझे सबके पेट भरने की चिंता लगी रहती है। खेत में फ़सल तैयार होने पर उसकी सुरक्षा के लिए रात भर खेत पर रहता हूँ। मेरे इस काम में मेरे बीवी–बच्चे भी साथ देते हैं।

अब ज़माना बदल गया है। हमारे जीवन में आज काम के तरीके बदले हैं। अनाज को संग्रह करना, उसे बेचना इसमें अनेक सुविधाएँ प्राप्त होने लगी हैं। पहले धनी लोग हमारा शोषण करते थे। हम हमेशा कर्ज़ में डूबे रहते थे। अब हमें सरकार की तरफ़ से अच्छे बीज, बैल खरीदने, उधार पैसा मिलने लगा है। कृत्रिम खाद, विविध कीटनाशक दवाइयाँ भी मिलने लगी हैं।

कम ब्याज पर मिलनेवाली रकम ने हमारे जीवन में बड़ा परिवर्तन कर दिया है। अब सरकार का ध्यान हमारे किसानों के ऊपर बना रहता है। इस वर्ष में तो सरकार ने किसानों के कर्ज़ माफ़ कर दिए हैं। सरकार के इन कार्यक्रमों से हमें तथा हमारे भाइयों को लाभ हो रहा है। मुझे किसान का यह बदलता रूप देखकर खुशी और आनंद हो रहा है। आखिर में मैं यही कहना चाहूँगा...

''जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान''

(2) मेरा पिय खेल

सभी को कोई न कोई खेल पसंद होता है। मैं भी खेलों का बहुत शौकीन हूँ। गुल्ली-डंडा, कबड्डी, टेनिस और बैडमिंटन खेलने में मुझे बहुत मज़ा आता है। फुटबॉल और हॉकी को भी पसंद करता हूँ, पर मेरा सबसे प्रिय खेल क्रिकेट है। यह खेलों का राजा है।

क्रिकेट से मेरा गहरा रिश्ता है, मैं रोज़ शाम को अपने मित्रों के साथ क्रिकेट खेलने जाता हूँ। मेरी लगन देखकर मेरे पिता जी ने मुझे एक बल्ला खरीदकर दिया है। क्रिकेट की अच्छी तालीम मुझे मेरे चाचा जी से मिली है। वे क्रिकेट के अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके कारण क्रिकेट में मेरी रुचि बढ़ती गई। क्रिकेट से संबंधित कई पुस्तकें मेरे पास हैं। मैं क्रिकेट के सभी नियमों से परिचित हूँ। मैंने क्रिकेट के लगभग सभी खिलाड़ियों का अलबम बनाया है।

मैंने अपने मुहल्ले में क्रिकेट की एक टीम बनाई है। कभी-कभी हम अन्य टीमों के साथ एक दिवसीय मैच भी खेलते हैं। उनमें अकसर हमारी टीम जीत जाती है। स्कूल की क्रिकेट टीम का मैं 'ऑल राउंडर' खिलाड़ी हूँ।

इस खेल से मेरे शरीर की अच्छी कसरत हो जाती है। मेरा शरीर फुर्तीला बना रहता है। क्रिकेट के कारण ही मुझमें अनुशासन तथा सहयोग आदि भावनाओं का विकास हुआ है। बड़ा होकर क्रिकेट की दुनिया का एक तेजस्वी सितारा बनना चाहता हूँ। मेरा हमेशा यही प्रयास होगा कि क्रिकेट के खेल में हमारे देश का प्रथम स्थान हो। क्रिकेट के खिलाड़ियों को खूब नाम और पैसा मिलता है। जिस खेल में नाम और दाम दोनों कमाने का अवसर हो वह खेल भला किसे प्रिय न हो?

(3) पुस्तक प्रदर्शनी में एक घंटा

वे व्यक्ति अकेले नहीं रहते हैं जिनके साथी श्रेष्ठ विचार होते हैं। श्रेष्ठ विचारों के मुख्यतः दो स्रोत होते हैं- पुस्तकें तथा सत्संग। सत्संग का लाभ उठाने के लिए पुस्तक ज्ञान आवश्यक है। पुस्तकों के अध्ययन और पढ़ी हुई बातों पर मनन-चिंतन करने के बाद श्रेष्ठ विचारों का उदय होता है। इसलिए हमारे विद्यालय में पुस्तक प्रदर्शनी लगी थी। मैं वहाँ अपने छोटे भाई के साथ गयी थी।

वहाँ विविध विषयों के लिए उपलब्ध पुस्तकों का विज्ञापन प्रवेश द्वार पर ही किया गया था। छोटे विद्यालयीन बच्चों ने ग्रंथ दिंडी निकाली थी। प्रवेश द्वार से अंदर जाने पर पुस्तकों के विषयों पर आधारित अनेक विभाग थे, उन्हें नाम दिए गए थे जैसे- अध्यात्मिक विभाग, विज्ञान, शैक्षणिक, खेल, पर्यटन, ऐतिहासिक, राजनीतिक, बाल साहित्य, काव्य सुमन ऐसी अनेक शाखाओं की किताबें थीं।

कई बच्चे वहाँ पुस्तकों संबंधित घोषवाक्य की तख्तियाँ लेकर खड़े थे, जैसे ''पुस्तकों से ज्ञान, जानें विज्ञान, भाषाएँ'', ''पुस्तक है हम सबकी साथी, प्रज्वलित करें ज्ञान की बाती'' आदि। हमने पुस्तकों के स्टॉल पर जाकर अपने-अपने पसंदीदा विषय और लेखक की पुस्तकें चुन लीं और आगे बढ़े। वहाँ कुछ बच्चों ने पुस्तकों की उपयोगिता पर एक छोटी-सी एकांकी तैयार की थी। वह देखने में मग्न हो गए। इन सब में एक घंटा किस प्रकार बीता पता ही नहीं चला। सच में पुस्तक जैसा साथी कोई नहीं और सच्चा-ईमानदार मार्गदर्शक कोई नहीं है।

★★★